प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 37/2018)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2018

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

''31 दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने 31 दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अक्टूबर, 2017 से 31 दिसंबर, 2017 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 फैक्स–011–23235249 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
अक्टूबर से दिसंबर, 2017

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2017 के अंत में 1,206.71 मिलियन से घटकर दिसंबर, 2017 के अंत में 1,190.67 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.33 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। हालांकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 3.38 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। देश में 30 सितंबर, 2017 को समग्र दूरसंचार घनत्व 93.40 से घटकर 31 दिसंबर, 2017 को 91.90 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

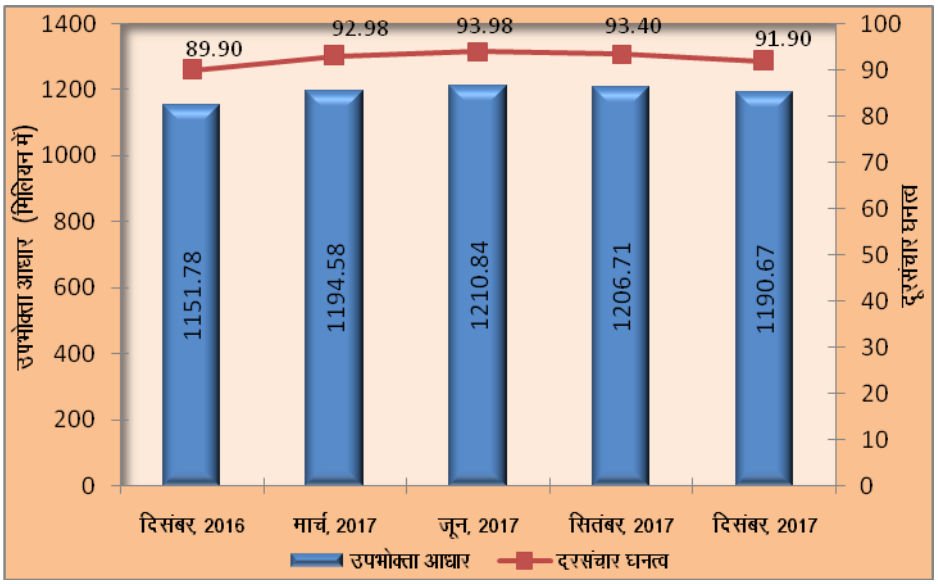

2. सितंबर, 2017 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 704.89 मिलियन से घटकर दिसंबर, 2017 के अंत में 688.25 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 173.15 से घटकर 168.29 हो गया। इस दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 501.82 मिलियन से बढ़कर 502.42 मिलियन हो गया, हालांकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 56.71 से घटकर 56.66 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी सितंबर, 2017 के अंत तक 41.59 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर, 2017 के अंत तक 42.20 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

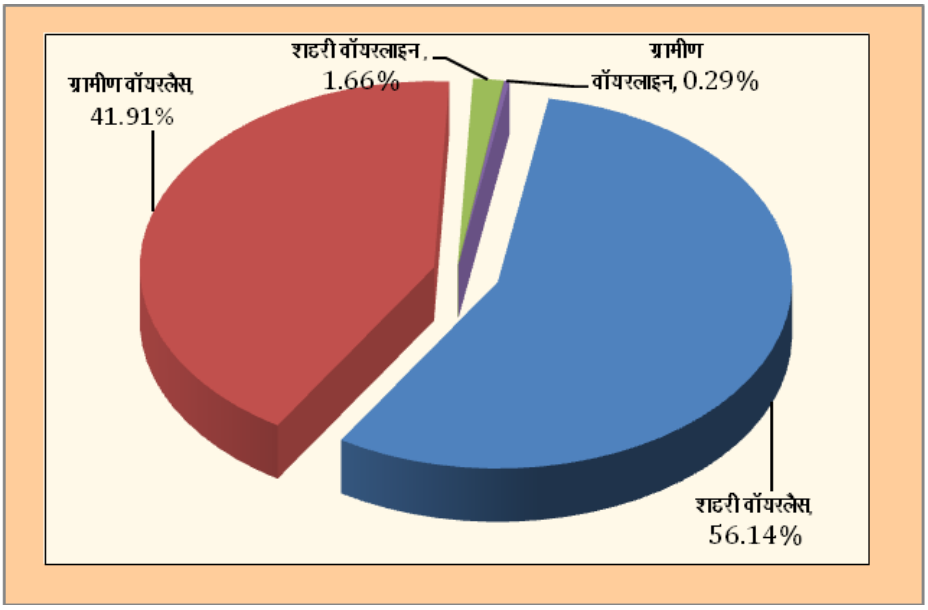

4. इस तिमाही के दौरान 15.61 मिलियन वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्याओं में कमी के साथ ही सितंबर, 2017 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम एलटीई सहित + सीडीएमए) उपभोक्ताओं का आधार 1,183.04 मिलियन से घटकर दिसंबर, 2017 के अंत तक 1,167.44 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 1.32 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। हालांकि वार्षिक आधार पर दिसंबर, 2017 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में 3.55 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व भी सितंबर, 2017 के अंत में 91.56 से घटकर दिसंबर, 2017 के अंत में 90.11 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2017 के अंत में 23.67 मिलियन से और घटकर दिसंबर, 2017 के अंत में 23.23 मिलियन रह गया जिसमें 1.84 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। दिसंबर, 2017 के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 4.79 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व भी सितंबर, 2017 के अंत में 1.83 से घटकर दिसंबर, 2017 के अंत में 1.79 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या सितंबर, 2017 के अंत में 429.23 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2017 के अंत में 445.96 मिलियन हो गई जिसमें 3.90 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। 445.96 मिलियन में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.28 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 424.67 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

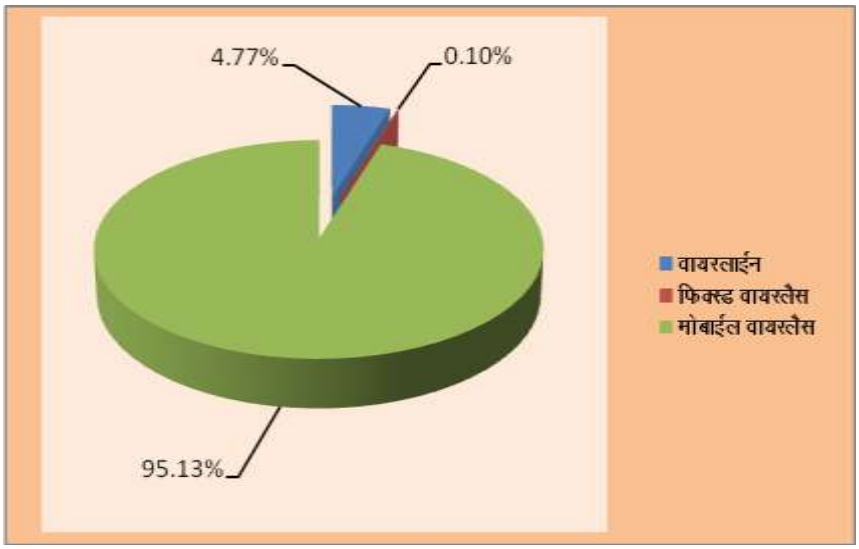

9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2017 के अंत में 324.89 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2017 के अंत में 362.87 मिलियन हो गई जिसमें 11.69 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2017 के अंत में 104.34 मिलियन से घटकर दिसंबर, 2017 के अंत में 83.09 मिलियन रही जिसमें 20.37 प्रतिशत की तिमाही कमी दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 5.37 प्रतिशत तिमाही ह्रास दर के साथ सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के 84 रुपए से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 79 रुपए हो गया। जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 23.61 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 71 रुपए से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 67 रुपए हो गया, जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड

एआरपीयू सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 361 रुपए से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 348 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 437 से बढ़कर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 495 हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 419 से बढ़कर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 481 हो गया, जबकि पोस्ट–पेड एमओयू सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 182 से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 786 हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 11.68 प्रतिशत ह्रास दर के साथ सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 125 रुपए से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 111 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 21.78 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 45.33 प्रतिशत की ह्रास दर्ज की गई अर्थात् सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 206 से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 112 हो गया। सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 83 से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 73 हो गया तथा अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 123 से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 40 हो गया।

17. दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 61,089 करोड़ रुपए तथा 38.536 करोड़ रुपए रहा। दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 7.95 प्रतिशत की तथा एजीआर में 7.52 प्रतिशत की कमी दर दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) ह्रास दर क्रमशः 8.18 प्रतिशत तथा 16.05 प्रतिशत दर्ज की गई।

19. दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 24,693 करोड़ रुपए से घटकर 22,552 करोड़ रुपए हो गया। दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः –8.67 प्रतिशत तथा 9.33 प्रतिशत रही।

20. सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,249 करोड़ रुपए से घटकर दिसंबर, 2017 में 3,104 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक ह्रास दर क्रमशः 4.46 तथा 16.04 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 75.17 प्रतिशत का योगदान दिया। दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार तथा पास–थ्रू प्रभारों (एसयूसी) में क्रमशः 7.95 प्रतिशत, 7.52 प्रतिशत, 4.46 प्रतिशत, 8.31 प्रतिशत तथा 8.67 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

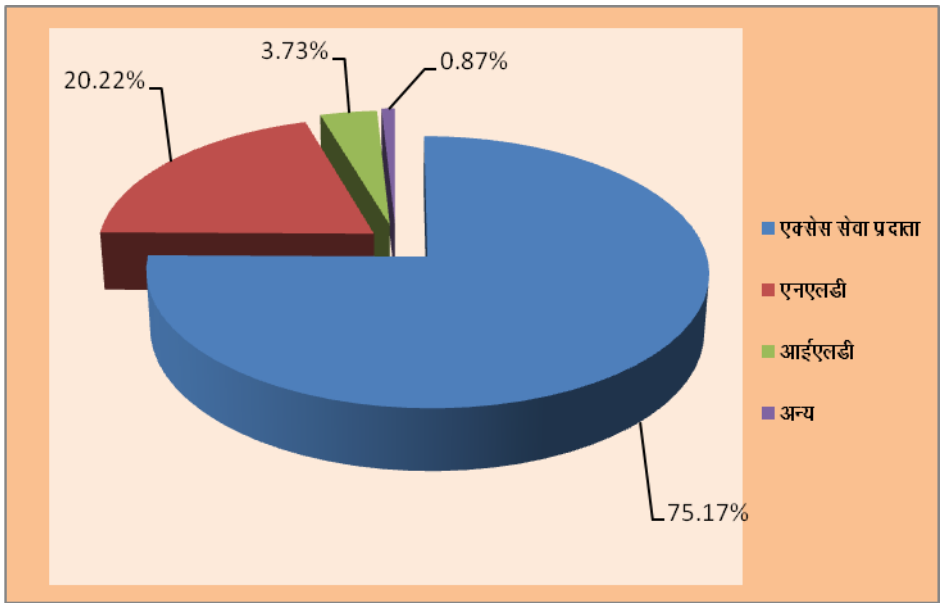

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 88.09 रुपए से घटकर दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 80.77 रुपए हो गया।

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस • कॉल सेट–अप सफलता दर तथा सर्किट स्वीच्ड भ्वाईस या वोल्टे के लिए सेसन चालू होने की सफलता दर (लाइसेंसधारी के स्वयं के नेटवर्क के भीतर) • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल एवं आरसीसी कंजेशन (प्रतिशत) • अच्छी आवाज गुणवत्ता, सर्किट स्वीच्ड भ्वाईस या वोल्टे गुणवत्ता के साथ संयोजन • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –प्रीपेड • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय	• बीएस संयोजित डाउनटाईम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) (प्रतिशत) • टीसीएच, आरएबी तथा ई–आरएबी कंजेशन (प्रतिशत) • प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/समायोजन किये जाने की अवधि • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड
• अगले कार्य दिवस तक ठीक की गई खामियां (शहरी क्षेत्रों के लिए) • एम टी टी आर • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत

26. दिनांक 31.12.2017 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केबल अपलिकिंग/डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग के लिये 877 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. 49 प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 30 सितंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 300 पे–चैनलों के मुकाबले 31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार कुल 304 पे–चैनल थे। इन 304 पे–चैनलों में 216 एसडी पे–चैनल एवं 88 एचडी पे–चैनल शामिल है। इस तिमाही के दौरान तीन नये चैनल चालू हुए तथा एक चैनल 'जन टीवी प्लस' को फ्री–टू–एयर चैनल से पे–चैनल में परिवर्तित किया गया।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। दिसंबर, 2017 के अंत तक डीटीएच के सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 67.56 मिलियन पहुॅच गया है। इस उपभोक्ताओं की संख्या 6 पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राप्त की गई है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा दिनांक 30 सितंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कार्यरत 322 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कुल 326 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं।

30 34 प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान चार नये एफ एम रेडियो स्टेशनों को चालू किया गया है।

31 सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 दिसंबर, 2017 को देश में कुल 210 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य बातें

31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,190.67 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.33 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	688.25 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	502.42 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.31 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.69 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	91.90
शहरी दूरसंचार घनत्व	168.29
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	56.66
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,167.44 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.32 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	668.44 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	499.00 मिलियन
जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या	1,162.20 मिलियन
सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या	5.24 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.45 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.55 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	90.11
शहरी दूरसंचार घनत्व	163.44
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	56.28
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	6,521,893 टेराबाईट
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	23.23 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.84 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	19.81 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.42 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	31.97 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	68.03 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.79
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.84
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.39
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	2,02,395
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	3,93,483

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	61,089 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-7.95 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	38,536 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-7.52 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	8.14 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	80.77 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	445.96 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.90 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	83.09 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	362.87 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.28 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	424.67 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	313.92 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	132.03 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	34.42
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	76.76
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	14.89
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	877
पे–टीवी चैनलों की संख्या	304
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	326
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	67.56 मिलियन
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	214
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	6
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	79 रुपए
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	111 रुपए
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	495 मिनट
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	112 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	322 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
जीएसएम हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	1,955 एमबी
सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	292 एमबी
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए)	1,945 एमबी
जीएसएम सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	18.85 रुपए
सीडीएमए सेवा के लिए प्रति जीबी डाटा का औसत मूल्य	125.86 रुपए